>

Title: Need to frame a national policy for the welfare of the farmers in the country.

श्री दानवे रावसाहेब पाटील (जालना): आज मैं एक अति महत्वपूर्ण विषय के बारे में बताना चाहता हूं। आज देश में किसानों की एक और बड़ी समस्या यह भी है। जब उपज कम होती है तो किसान मुसीबत में होता है। जब उपज अच्छी हो तब भी अक्सर उसकी वाजिब कीमत न मिलने के कारण उसे नुकसान उठाना पड़ता है। किसानों में असंतोष की मूल वजह उर्वरक, कीटनाशक, बीज और श्रमिकों के मूल्य में बेतहाशा बढ़ोतरी से उत्पादन लागत और समर्थन मूल्य में अंतर और किसानों की बड़ी शिकायत खेती की लागत और समर्थन मूल्य के निर्धारण में कोई तालमेल नहीं होना है। यह निष्कर्ष सरकार द्वारा गठित समिति का भी है। मोहन कांडा समिति की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे हालात बनने के करीब एक दर्जन वजह हैं। इसमें सबसे बड़ी वजह किसानों को उनकी फसल का मूल्य सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मूल्य लागत से कम मिलना है, जिससे किसानों में आक्रोश है।

मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि वह किसान के हित एवं कल्याण हेतु एक राष्ट्रीय नीति बनाए जिससे किसानों को होने वाली समस्याओं का समाधान हो सके तथा किसान खेती के कार्य का उत्साहपूर्ण तरीके से निर्वाह कर सके।